

# बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा की मुहिम

## दैनिक भारकर

दैनिक भारतीय अखबार

नंबर | क्र०-१२, ३००-३२० नुगांव, २५ वडे २०२० | कृति कृष्ण १८ | कृष्ण २.०० रुपये

झाटी, नोएडा, लकड़ाला और देहरादून से प्रकाशित

### बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की मुहिम तेज

“1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम”

**नाटक व्यूटे**  
मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संसीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम को और से किया गया। दाई सो से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्षमाकी नुवा और नहें बच्चे भी इसमें स्थापित हैं। मंदिर के पुजारी ने समव पर पूजा

अर्चना कर गंगेंद्र गोसाई को व्यास गढ़ी पर लोभावान किया और गंगेंद्र गोसाई ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकों के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी को मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 वेटक में अभी तक हो चुके हैं और वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है।

तदोपरांत लवभग द्वे घटे के अंतराल



में पाठ का समापन ऐसे सम्पूर्ण से किया जिसने सबका दिल जीत लिया। अपने सुन्दरीन में बोधराज सीकरी ने गंगेंद्र गोसाई की सेवा भक्त की भूमि-भूमि प्रशंसा की। हनुमान चालीसा के पाठ

उपरांत मंदिर की कमेटी ने खुब भाव से पगड़ी बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान व्यक्तियों को पटका पहनाकर अविनंत्रित किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद दियरण किया गया। मौजूद समाज-व्यक्तियों में मंदिर के गोजेरा चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष शोवर, दतीप लक्ष्यग (प्रधान, आर. डबल्यूए), सतीश आहजा, केंद्रीय

सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के.सुल्तान, वय लाल ग्रेवर, अखबारी चमां, पत्रकार एम.के.अरोहा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामगा, ओ.पी. छबड़ा, सुरदार गुरिन्दर साहनी, नरेंद्र कबूरिया, सरपाल नासा, तिलक चानना, स्पष्टीर टंडन, पंडित शीम दत, त्रिलोक गोसाई, डाक्का नाथ मक्कड़, पीड़ित चुनी लाल शर्मा, रमेश चटानी, श्याम ग्रेवर, सुरेन्द्र बरेजा,

शीम, किशोरी लाल दुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अखलाखा, मिर्वाली विराटीरे के मंत्री और जय दशाल कुमार, अमिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे मालिला मडली की ओर से श्याम मंदिर की मालिला सर्वोत्तम पुषा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति बर्मा, शशि बजाज, पूर्ण गोसाई और कृष्णा कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।

नये भारत का अखबार



# गुडगाव मेल

DAVP, Northern Rly., DIPR Haryana के विज्ञापनों के लिए अधिकृत

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

ब्लॉग़र, गुडगाव मेल

गुडगाव, 24 मई। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुडगाव की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु ब्रह्मलु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भवितरस का अनंद लिया। द्वाई सी में अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नवें बच्चे भी इसमें सम्मेलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से गति 9 बजे का था जब माताएँ-बच्चों ने प्रायः भर के काम में व्यसा होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में वहनों को उपस्थिति अधिक।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गणेश गोसाइ को व्यास गढ़ी पर शोभायान किया और गणेश गोसाइ ने बड़े धूम से गोप्ता बंदन कर गयकों के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी को मुहिम का संस्करण में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों को बुकिंग विभान्न स्थानों वालीसा और गुरु ग्रंथ साहिव के प्रथम और अंतिम शब्द के व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के



समाप्त ऐसे सम्पूर्ण से किया गया था। जिसने सभका दिल जीत लिया :

मेरी लागी राम से प्रीत ये दुर्निया

क्या जाने।

समाप्त में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक और हनुमान चालीसा को उस चोपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है कांधे मैं जनेक साबे और बताया कि मैंज यानी बाण का बजोपवीत प्रभु हनुमान बर्यां धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारण करते थे जबकि बाण का यजोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस श्री गोता जी, श्री हनुमान महीनों को बुकिंग विभान्न स्थानों में हो चुकी है। तदीपतर लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का

रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदाद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गणेश गोसाइ की सेवा भक्ति को भूती-भूती प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूरी हुए। इसके अतिरिक्त सुरांग लोक, सी.

बलोंक में प्रातः बौस लोगों ने सात

बार पाठ किया जिसका संचालन

श्रीमती सुरांग सीकरी देखती हैं और हाँ मंगलवार की तहत जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में

18640 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरोक्त मीडियों की कमेटी ने खूब भाव से पाण्डी बधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर आभन्दन किया।

बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ अगले बाले मंगलवार 30 मई दोपहर बात 3 बजे अशीवार्द गाड़िन, ज्यांति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, लिवाजी नगर की संयोजिका देवता जी की प्रार्थना सभा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा।

गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीश श्रीबाबा श्रीबाबा, दलेप लूधरा (प्रधान, आर. डबल्यू.ए),

सतीश आहजा, केंद्रीय समाजन धर्म सभा के प्रधान एस.के. खुल्लर, राम लाल श्रीबाबा, अरवीनी वर्मा, पत्रकार एस.के.ओरा, धर्मेन्द्र बच्चा, रमेश कामा, ओ.पी. छावडा, सरदार गुरिन्दर सहनी, नरिंदर कथरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित श्रीमान् द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुटी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रौवर, सुरेन्द्र अरेजा, भीम, किशोरी लाल दुड़ेजा, राजपाल नासा, सुभाष अश्लखा,

मिश्रबाली विरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार, उपस्थित रहे।

महिला मंडलों की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योतिसना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाई और कल्याण कथरिया ने अपनी सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गयीं थीं।

# गुडगांव टुडे

**बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संरक्षण बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम हुई और मज़बूत**

■ 1,86,140 के  
आंकड़े पर पहुंची  
बोधराज सीकरी की  
हनुमान चालीसा पाठ  
की मुहिम।

गुडगांव टुडे, गुरुग्राम

मंगलवार को हनुमान चालीसा के पाठ का संग्रहालय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशरथ ग्रांड, न्यू कॉलोनी गुडगांव की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्राणेण छोटा है, परंतु ग्रांडलू और भलाजनों ने जैसे कैसे अपस में बैठकर भक्तिसर का आनंद लिया। दाढ़ सी से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है कर्मीक युवा और नहीं बच्चे भी इसमें समिलित हैं। यद्यपि समय शाम 6 बजे से गति 9 बजे तक था जब महार्ह यार्टें प्राप्त, यह के क्षम

में व्यस्त होते हैं, परंतु उसके बावजूद पुरों के मुझबदले में वहाँ की उपस्थिति अधिक ही।

मंदिर के पुलारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाई को व्यास गदी पर शोभायमान किया और गजेंद्र गोसाई ने बड़े प्रेम से गोला बंदन कर गोपकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संदेश में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अपी तक हो चुके हैं और वाले महीनों की चुकिती विभिन्न घटनाएं में हो चुकी हैं। तदापर्वत लगाम दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पूर्ण से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : 'मेरी लागी गम से प्रीत ये दुर्निया क्या जाने'।

समापन में बोध गज सीकरी ने जहाँ एक और हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेदन की जिसमें लिखा है 'कई भैंज जनेक साजे' और बताया कि 'मैं यानी यान कर योगेपवीत प्रमु



हनुमान चौपाई धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारण का योगेपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें तुलसी जी द्वारा लिखित एम चरिता मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहित्य के प्रसाम और अद्वित गद्य की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के हस्त लिखे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदाद

हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाई को सेवा भक्ति की भूमि-भूमि प्रसंगस्था की।

इस प्रकार कल शाम लगाम 5:100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर बाद 3 बजे आसीबाई गांड, ज्योति पार्क गुरुद्वारा में आयोजित होगा, जहाँ श्री वालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजित 'देवता जी' की प्रार्थना सभा, जिनके बारे पिछले सप्ताह गोलोक में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुनाते लोक, संघ बॉर्क में प्रातः वीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संवादन

श्रीमती सुखा सीकरी देखती है और हर गंगेज चानना, बिनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रेवर, दलीप लूधर (प्रधान, आर.डबल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय स्नातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल, गम लाल ग्रेवर, अस्त्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़, थमेंट्र बजाज, संस्कृत कामग, ओ.पी. छबड़, सदाचार गुरिन्दर साहनी, नविदर कर्मिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, एक्षीर टड्डन, पौड़ा भीम दत, विलोक गोसाई द्वारा नाथ मंदिर, पौड़ा चुम्हा लाल शर्मा, संस्कृत चूटानी, श्याम ग्रेवर, सुदूर थेजा, भीम, किसोरी लाल डुडेजा, यजयाल नासा, सुभाष अश्वलखा, मिल्हाली बिलदरी के मंडी और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, संस्कृत कुमार उपस्थित हैं।

महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संसोक्षिका पुष्पा नासा, ज्योतिसना बजाज, रमन बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाई और कृष्ण कर्मिया ने अपनी हाजिरी भरी।

# 1,86,140 ਕੇ ਆਂਕਡੇ ਪਰ ਪਹੁੰਚੀ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਕੀ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਪਾਠ ਕੀ ਗੁਹਿਨ

ਗੁਡਗਾਂਵ, 24 ਮਈ (ਬਿਊਰੋ): ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਕੇ ਪਾਠ ਕਾ ਸੰਗੀਤਮਯ ਤਰੀਕੇ ਸੇ ਆਯੋਜਨ ਸ਼੍ਰੀ ਗਣੇਸ਼ ਮੰਦਿਰ, ਦਸ਼ਹਰਾ ਗ੍ਰਾਊਂਡ, ਨ੍ਯੂ ਕੱਲੋਨੀ ਗੁਰੂਗ੍ਰਾਮ ਕੀ ਓਰ ਸੇ ਕਿਯਾ ਗਿਆ। ਯਦਿਪਿ ਭਵਾ ਮੰਦਿਰ ਕਾ ਪ੍ਰਾਂਗਣ ਛੋਟਾ ਹੈ, ਪਰਤੁ ਸ਼੍ਰਦਾਲੁ ਔਰ ਭਕਤਜਨੋਂ ਨੇ ਜੈਸੇ ਕੈਂਸੇ ਆਪਸ ਮੇਂ ਬੈਠਕਰ ਭਕਿਤਰਸ ਕਾ ਆਨੰਦ ਲਿਆ। ਢਾਈ ਸੌ ਸੇ ਅਧਿਕ ਲੋਗਾਂ ਕੀ ਉਪਸਥਿਤ ਬਤਾਤੀ ਹੈ ਕਿ ਯੇ ਮੁਹਿਮ ਕੈਂਸੇ ਨਿਆ ਰੂਪ ਲੇ ਰਹੀ ਹੈਏ ਕਿਥੋਂਕਿ ਯੁਵਾ ਔਰ ਨਹੋਂ ਬਚੇ ਭੀ ਇਸਮੇਂ ਸਮਿਲਿਤ ਥੇ। ਯਦਿਪਿ ਸਮਧ ਸ਼ਾਮ 6 ਬਜੇ ਸੇ ਰਾਤ੍ਰਿ 9 ਬਜੇ ਕਾ ਥਾ ਜਬ ਮਾਤਾ-ਬਹਨੋਂ ਪ੍ਰਾਯ: ਘਰ ਕੇ ਕਾਮ ਮੇਂ ਵਾਸਤ ਹੋਤੀ ਹੈਂ, ਪਰਤੁ ਤਿਥੀ ਬਾਵਜੂਦ ਪੁਰਖਾਂ ਕੇ ਮੁਕਾਬਲੇ ਮੇਂ ਬਹਨਾਂ ਕੀ ਉਪਸਥਿਤ ਅਧਿਕ ਰਹੀ।

ਮੰਦਿਰ ਕੇ ਪੁਜਾਰੀ ਨੇ ਸਮਧ ਪਰ ਪ੍ਰਸਾਦ ਅਰੰਨਾ ਕਰ ਗਿੰਦੇ ਗੋਸਾਈ ਕੀ ਵਾਸ



ਭਕਤਜਨੋਂ ਕੀ ਸੰਬੋਧਿਤ ਕਰਤੇ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ।

ਗਵੀ ਪਰ ਸ਼ੋਭਾਯਮਾਨ ਕਿਯਾ ਔਰ ਗਿੰਦੇ ਗੋਸਾਈ ਨੇ ਬਡੇ ਪ੍ਰੇਮ ਸੇ ਗਣੇਸ਼ ਵੰਦਨ ਕਰ ਗਾਧਕੀ ਕੇ ਮਾਧਧਮ ਸੇ ਪਹਲੇ ਬੋਧਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਕੀ ਮੁਹਿਮ ਕਾ ਸੰਕ਷ੇਪ ਮੇਂ ਵਰਣਨ ਕਿਯਾ ਔਰ ਬਤਾਯਾ ਕਿ 1,80,600 ਪਾਠ ਤੀਨ ਮਾਸ ਕੀ 27 ਬੈਠਕ ਮੇਂ ਅਭੀ ਤਕ ਹੋ ਚੁਕੇ ਹੈਂ ਆਨੇ ਵਾਲੇ ਮਹੀਨਾਂ ਕੀ ਬੁਕਿੰਗ ਵਿਭਿੰਨ ਸਥਾਨਾਂ ਮੇਂ ਹੋ ਚੁਕੀ ਹੈ। ਤਦੋਪਰਾਂਤ ਲਗਭਗ ਦੋ ਘੰਟੇ ਕੇ ਅੰਤਰਾਲ ਮੇਂ ਪਾਠ ਕਾ ਸਮਾਪਨ ਏਸੇ

ਸਮੁੱਟ ਸੇ ਕਿਯਾ ਜਿਸਨੇ ਸਥਕਾ ਦਿਲ ਜੀਤ ਲਿਆ।

ਬੋਧ ਰਾਜ ਸੀਕਰੀ ਨੇ ਜਹਾਂ ਇੱਕ ਓਰ ਹਨੁਮਾਨ ਚਾਲੀਸਾ ਕੀ ਤਥ ਚੌਪਾਈ ਕੀ ਵਿਵੇਚਨਾ ਕੀ ਜਿਸਮੇਂ ਲਿਖਾ ਹੈ “ਕਾਂਧੇ ਮੌਜੂ ਜਨੇਊ ਸਾਜੇ” ਔਰ ਬਤਾਯਾ ਕਿ ਮੌਜੂ ਧਾਰਣ ਕਾ ਯਜ਼ੋਪਵੀਤ ਪ੍ਰਭੁ ਹਨੁਮਾਨ ਕਿਥੋਂ ਧਾਰਣ ਕਰਤੇ ਥੇ ਜਬਕਿ ਪ੍ਰਾਯ: ਲੋਗ ਧਾਰੇ ਕਾ ਯਜ਼ੋਪਵੀਤ ਢਾਲਤੇ ਹੈਂ।

# राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# ह्यूमन इंडिया

हम बनेंगे आपकी आवाज

हम बनेंगे आपकी आवाज

बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई

1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिन

- ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है, बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

**स्पृह इन्डिया/ब्रह्मी**  
भ्रग्नाम् विभासां को द्वयु  
महाकाशे के पाट का संरक्षण दर्शी  
में अविज्ञानी को गोली मिला,  
पारापार, न जीतीसे बुझते थे  
जो किसीको खुशबूँ थी वो अं  
से चिना गया। वार्षि बाल मिली  
प्राणी छोटी होती, वहन् ब्रह्मांड अं  
भक्तजनों वे जैसे कैसे अपने  
कठबूढ़ा भक्तिरस का आवेदन  
में थे अविज्ञानी वो उपर्युक्त  
उपर्युक्त बाली ही हैं वो ये मुझी  
कैसे वाह कर ले ही जाएंगे कु  
एवं वहन् वो ऐसे इम्मति देते हैं।  
परायी ममय ताप ६ बड़े से १०  
९ बड़े हो का जल मार्तार्पण  
प्राप्ति-परायी के काम वाहन होते  
परत् उम्मके चालवृद्ध पूर्णी  
मुक्तिरस में बहनों का उपर्युक्त  
अविज्ञानी।



करते थे विक्री कराएँ; लोग भारी का पौधोंकीट ठांचे हैं। इसके अविविक तरीके से नियमों के द्वारा विशेषज्ञ व्यापारी वित्त बनाये, जो गोत्ता और जी, जो हड्डुओं का बदलाव भरकर मुझे मालिक के प्रभाव और अधिकार लाता व्यापारी थी जो विस्तृत पूर्व विवरण के रखने की ओर आया। अपने नियमों का अपना व्यापार लाए थे। अपने अपनी मालिकीय में बोधार्थी बोधीकर्ता जी गोत्ता को में खाली भूमि की पूरी-पूरी प्रकृति की ओर आया।

है : लदोपरांत लगभगा दो घंटे अंतर्गत में पाठ का समापन वे सम्पूर्ण से किया जिसने मरवाहा दिन बीत दिया ; येरी सभी गम से ड्रील दुकिया करा जाने ।

मध्याह्न ये खोज शुरू करी  
जहाँ एक और हनुमान चार्टेसा व  
उस चीज़पाई की बिल्डिंग की तिस  
लिपि है कृषि मैट्रिक जनरेक सदै अ  
बताया कि मैट्रिक यारी बाधा व  
याहोस्मिन्द प्रभु हनुमान कर्मा थार

मुहिम के लहर अभी तक 30 आर.उच्चलय,ए), सतीष अद्वा  
में 186-140 पाठ हो चुके हैं। कोट्रीय मन्दिर धर्म सभा के प्रधा-

न बलिस्तम के पाट उपरि  
की पंखों से नूब धारा में  
विश्वास बोला दीयोही की  
उ दिला और अन्य गणवाल  
दीलों को पटका दिला दीयोही।  
उ धारा में लोली  
प्रवाह दिला दीयोही।  
उ हमुन चालिमा का पाट  
जालों में भोला दीयोही,  
बड़े आत्मीय गाँव, जल्ली  
सुखमाल में आधोरी होइ,  
की जलनी माटि, विलास  
की बोलिका देक्क जो की  
माटि, विलास दिला दीयोही।  
उ गोलिक में समाप्त हो गया  
अपीली होइ दिला दीयोही  
में अविली लोली किए गये हो  
ही।

उ धारा अविली में पाटके  
चपल, बिल्ली, माटू की  
पुरानी बाल, समादा  
पुरानी बाल, चिरिन कृष्ण  
पुरानी बाल, दिला बाल  
पुरानी बाल, चिरिन बाल  
पुरानी बाल, पाटके भी दिला  
पुरानी गोली, द्वारा कथ मुकुला  
पुरानी ताजी लाल, ताजी  
एक धोर, सुरुद खोल, भोल  
किलोरी ताल दुड़क, गजानन  
भास, सुधा भास, परिकाली  
पिलटी की बीज और वाटा  
कुम्भ, अस्त्रिय, बोले कुम्भ  
उत्तम रुहि। वालिस मंदिर  
और सेल धाम बोल, की महामाल  
पुरानी बाल, चपल बाल,  
जल्ली बाल, एक धोरी बाल  
काला कृष्णी, जो की इत्ती बाल

三

卷之三

आप का साथ हमारा विश्वास

# एनसीआर टाइम

हिन्दी दैनिक पेपर

वीरवार

गुरुग्राम

दिनांक : 25/5/23

## 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम



बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई।

ग्रन्थों के पहले और अंतिम छाँटों में उन ग्रन्थों का राज छिपा है - बोधराज सीकरी ने दिए ज्ञवलन्त उदाहरण।

गुरुग्राम (एनसीआर टाइम) गुरुग्राम कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परतु अद्वालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया। दाईं सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है क्योंकि युवा और नन्हे बच्चे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही। मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाई को व्यास गद्दी पर शोभायमान किया और गजेंद्र

गोसाई ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पूर्ण से किया जिसने सबका दिल जीत लिया: "मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने।" समापन में बोधराज सीकरी ने जहाँ एक और हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है "कौधे मैंज जनेऊ साजे" और बताया कि मैंज यानी वाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान कर्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारण का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम वरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया। अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गजेंद्र गोसाई की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी. ब्लॉक में प्रातः वीस लोगों ने सात बार पाठ किया जिसका संचालन श्रीमती सुरेश सीकरी देखती है और हर मंगलवार की तरह जामुपर शिव मंदिर, ईस्ट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। हनुमान चालीसा के पाठ उपरांत मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया। अगला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वद गार्डन, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका "देवता जी" की प्रार्थना समा, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।

गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान, आर.डबल्यू.ए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, ओ.पी. छावडा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, त्रिलोक गोसाई, द्वारका नाथ मवकड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुडेजा, राजपाल नासा, सुभाष अधलखा, मियाँवाली विरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे। महिला मंडली की ओर से श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्पा नासा, ज्योत्सना बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाई और कृष्ण कथूरिया ने अपनी हाजिरी भरी।



रई दिल्ली, लखनऊ, पट्टियाला और फौजिहाबाद से प्रसारित

## ग्रंथों के पहले व अंतिम शब्दों में होता है उन ग्रंथों का राज़: बोधराज

-युवा पीढ़ी को संरक्षण बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम हुई मजबूत  
-अब तक 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम



गुरुग्राम। श्री गणेश मंदिर दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी की ओर से हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन किया गया। इस दौरान 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिरस का आनंद लिया। युवा और नन्हे बच्चे भी इसमें शामिल रहे। गजेंद्र गोसाई ने गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि 1,80,600 पाठ तीन माह में 27 कार्यक्रमों में अभी तक हो चुके हैं। आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। समापन अवसर पर बोधराज सीकरी ने तुलसीदास जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्द में ग्रंथों का राज छिपा होता है। लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी-ब्लॉक में सुबह 20 लोगों ने सातेबार पाठ किया। जिसका संचालन सुरेश सीकरी ने किया। जामपुरेशिव मंदिर, ईस्ट आफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया।

इस अवसर पर मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान आरडबल्यूए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुल्लर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा, ओपी छाबड़ा, सरदार गुरिन्दर साहनी, नरिंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

संस्करण



एक उम्मीद

# अमर भारती

## युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका निभा रही है हनुमान चालीसा की मुहिम

अमर भारती संचाददाता

गुरुग्राम। न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी विरादीर महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाई ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं। बोध



राज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहाँ उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारण का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिन्हें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि आगामी 30 मई को आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा, जहां शिवाजी नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर की संयोजिका देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा होगी।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, हरियाणा (पलवल) एवं उत्तर-प्रदेश (बुलंदशहर एवं मुरादाबाद) से एक साथ प्रकाशित

# देव केसरी

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई

गुणगाम। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का समीक्षण तरीके से आयोजन श्री कौलोनी गुणगाम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु अद्वितीय और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिमन का आनंद लिया। यहाँ सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप से रही हैं क्योंकि युवा और नवे बच्चे भी इसमें समर्पित थे। यद्यपि समय शाम 6



बजे से गति 9 बजे का था जब मातर-बहने प्राप्त धर के काम में व्यस्त होती है, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में वहनों की उपस्थिति अधिक रही। मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अवधि के बावजूद गोसाई को व्यास गही पर शोभायमान किया और गोसाई ने बहुं प्रभ से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पालन बोधराज सीकरी की मुहिम का संबोध में वर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की

27 बैठक में अपी तक हो चके हैं आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। तदीपत्र लापाग दो घटे के अंतराल में पाठ का समाप्त ऐसे सम्मुट से किया जिसने सबका दिल जीत लिया। मेरी लगी राम से प्रोत ये दुनिया बता जाने।

समाप्त में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक और हनुमान चालीसा की उम चौपाई की विवेचन की जिसमें लिखा है काँधे मैंज जनेक साजे और बताया कि मैंज गोसाई की सेवा भवित की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

# भारत सरथी

**बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम**

ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का राज छिपा है, बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

**भ्राता साहबी**  
 युद्धार्थ। मैंने जानकर हो गया-  
 वाराचीर का एक बड़ा समर्पण तोड़के  
 से अपेक्षित था। लेकिन उसी दिन  
 वारांडा, जो आपकी प्रधानता  
 से बिना राखा और उसकी भ्रष्ट करा-  
 याम के बाद उसी दिन उसी दिन  
 वारांडा को देखा जाए। उसके असाम  
 देखकर भ्रष्टवास का आगे दिल।  
 वारांडा के से अधिक लोगों  
 ने उसी दिन अपनी वारांडा  
 की विश्वासीता का देखा हो गया। उसके  
 बाद वारांडा का देखा हो गया। उसके  
 बाद वारांडा की इसी विश्वासीता  
 के। वर्षांसे यह समय राम ६ बजे से रात १२  
 बजे तक एक बड़ा वारांडा-बड़ी  
 वारांडा-वारांडा का एक बड़ा वारांडा ही है,  
 परंतु उसके बावजूद यहाँ के  
 व्यक्तिगत वारांडों की उपस्थिति  
 अपेक्षित नहीं।



पृष्ठ से किया जिसने मरम्मत की दिल  
त लिहायः मेरी लगी राम से प्रीत है  
नया करा जाने।  
समाप्ति में खोखे राम रहीकरणे हैं

जहाँ एक और हनुमान चालीसा की उस चीफाई की विवेचना की जिसमें लिखा है कि वीर मूर्ति बनेका सामने और प्रत्यय कि दैव यारी काल का

पहलीफलीत प्रथम हनुमान कर्मो चारा  
करते थे जबकि प्रायः सोंग भारे व  
पहलीफलीत हालते हैं। इसके अविनाशित  
उन्होंने कृपसी जी द्वारा लियिए ग

वरित मामास, दीपा जी, औ हनुमान  
चालीस और गुरु द्वय चालीस के प्रधान  
और अधिकार शब्द की असाधा भी की  
तिसमें पूरे दोष के राख दिये हैं। तिसमें  
दूसरा साथ एक बड़ा गोलांग नहीं हो गया  
अपने साथी लोगों के बाहर योद्धा  
गोलंग दोहराया की सेना भरकी की पूरी-  
भूति प्रसंगीनी की।

अतिरिक्त मूलता लोक, सो, यहाँ  
में प्राप्त; जीव लोगोंसे वह सब जाह  
जिनका विचार करने लगती मूलता सुना  
सुनकरो देखती है और हाँ मैंगलारा  
देखता है अपने जीव लोगोंको रखता है,  
इसके बाद विचार में 30 लोगोंसे पहले  
दस बार याद करता है। तीनी घण्टों का  
कुल सोना 5540 रुपये का  
तहत अभी तक 30 लोगोंमें  
186140 रुपये हो गया है। हमनुमान  
उत्तराधिकार के पास उत्तराधिकार की  
कमत्री से खुब भाले से पारोडी बोला  
पैरधन सीकरी का बदला करता है  
और अब यामानक यामिनीका  
पकाका पाहानारा अभिनव रिक  
बाल भाले से लोगोंको इसका बदला  
प्राप्त करता है। अपार हामुन चाला  
का बाट अपने बाले मैंगलारा 20  
दोषाश्रम करता है। अपार हामुन  
जीवीती पाँच कुप्राणमें अपनी  
होता, जो शो बालानी की संस्कृतिके दो

जी को प्रार्थना सभा, जिनका लारी पिछले सप्ताह गोलोक में समर्पित हो गया था, में आधेवित होगा। जिसमें दो हाहरे से अधिक लोगों ने आपे की उम्रा है।

गणपत्य व्यवहारों में भूमिका  
रखने वाला व्यक्ति, मदन कुमार  
सुधा प्रधान, दलीप सिंह (प्रधान  
अम. अन्वयन), एवं  
दीपा कुमार जब शक्ति के प्रयास  
एवं के बहुतर, या उल्लंघन  
अवश्यक व्यक्ति, विपक्ष  
एवं के अधिकारी, विपक्ष, राजनीति  
कामी, और शक्ति, सदाचारा  
पूर्वान्दर मानी, विरोध कर्त्तव्य  
समाज की नाया, विरोध चाहने  
राष्ट्रीय दल, चांडी भौमि विपक्ष  
दीपोदीपी गोपी, या विपक्ष  
पीड़ित चूली लाला जाया, योग चूली-उत्तम  
रथम शारीर, सूर्योदय, दीपाली  
विपक्षीयों ताल दुर्देव, विपक्ष  
नाया, सुधा प्रधान, मिसिसिपी  
विपक्षीयों के मंत्री और वर दलका  
कुमार, अस्ति विपक्ष, योग कुमार  
उत्तमविहार : महिला विहारों  
में से योग विहार की विधान  
संस्थानीय युवा नाया, योगीविहार  
जवाहर, योगीविहार, योगीविहार  
शक्ति विहार, दूसरे योगीविहार  
और कर्मविहार ने अपनी हाईकोर्ट  
भागी।

# बुलंद रवींजा

सम्पादक-संजय सार्थक

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

## युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका निभा रही है हनुमान चालीसा की मुहिम

एक लाख 86 हजार 140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की मुहिम  
ग्रंथों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रंथों का छिपा है राज - बोध राज सीकरी

गुरुग्राम, बुलंद खोज / लेकेश  
कुमार। न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउंड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी विरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। ब्रदालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के ब्रदालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाई ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में 100% तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं। बोध राज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँध मूँज जनेऊ साजे की विस्तृत जानकारी दी, वही उन्होंने बताया कि मूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान कव्यों धारण करते थे जबकि प्राय- लोग धारण का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी जी



द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और पुरु ग्रंथ साहिव के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। उन्होंने गजेंद्र गोसाई के सहयोग की सराहना की। मांगलवार को 5100 हनुमान चालीसा के पाठ संपन्न हुए। इसके अलावा सुशांत लोक सी बॉक्स में प्रात- 20 लोगों ने 7 बार पाठ किया

किया। उन्होंने बताया कि आगामी 30 मई को आशीर्वाद गार्डन, ज्योति पार्क में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाएगा, जहां शिवाजी नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर की संयोजिका देवता जी महाराज की प्रार्थना सभा होगी। इस घैंके पर राजेश चानना, विजेन, मदन सतीजी, सुभाष ग्रोवर, आरडब्ल्यूप्रधान दलीप लक्ष्मण, सतीश आहुजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान सुरेन्द्र खुल्ला, राम लाल ग्रोवर, अक्षरी वर्मा, पत्रकार एम्से अरोड़ा, धर्मेन्द्र बजाज, संसेश कामरा, ओपी छावड़ा, सरदार गुरिंदर साहनी, नरेंद्र कश्यपिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर उंडन, पंडित भीम दत, त्रिलोक गोसाई द्वारका नाथ मकड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, संसेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किरोरी लाल दुड़ेजा, राजपाल नासा, सुभाष अदलखा, मियाँवाली विरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, संसेश कुमार, श्याम मंदिर की महिला संयोजिका पुष्या नासा, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, रचना बजाज, ज्योति वर्मा, शशि बजाज, पूनम गोसाई और कृष्णा कथशुरिया आदि मौजूद रहीं।

# रण टाइम्स

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई

राजू गुप्ता

(रण टाइम्स)

कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संसोतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठक भक्तिरस का आनंद लिया। ढार्ड सौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप से रही है व्यापक युवा और नहें बच्चे भी इसमें सामिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे का था जब माताएँ-बहने प्रायः घर के काम में व्यस होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाबले में वहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गजेंद्र गोसाई को व्याप गद्दी पर शोभायान किया और गजेंद्र गोसाई ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी को मुहिम का संक्षेप में बर्णन किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं आने वाले महीनों की चुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है।



तदोपरांत लगभग दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे सम्पूर्ण से किया जिसने सबका दिल जीत लिया - «मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने»।

समापन में बोध राज सीकरी ने जहर्त एक और हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना की जिसमें लिखा है - «कौंसे मैं जनें क साजे + और बताया कि मैं यानी बाण का यजोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारण का यजोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त मुशायत लोक, सौ. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ

लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहित्य के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज

सीकरी ने गजेंद्र गोसाई की सेवा भक्ति की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त मुशायत लोक, सौ. ब्लॉक में प्रातः बीस लोगों ने सात बार पाठ, जिनका शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में सुरेश सीकरी देखती है और हर मंगलवार की तरह जाम्पुर शिव मंदिर, ईंट ऑफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कूल योग 5540 हुआ। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपरात मंदिर की कमटी ने खुब भाव से पाणी बांधकर बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को पटका पहनाकर अभिनंदन किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

आपला हनुमान चालीसा का पाठ आने वाले मंगलवार 30 मई दोपहर बाद 3 बजे आशीर्वाद गाड़न, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ श्री बालाजी मंदिर, शिवाजी नगर की संयोजिका देवता जी की प्रार्थना सभा, जिनका

शरीर पिछले सप्ताह गोलोक में समाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है। गणमान्य व्यक्तियों में मंदिर के राजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूधरा (प्रधान, आर.डब्ल्यू.ए.), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के.खुल्ला, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, पत्रकार एम.के.ओरेडा, धर्मेन्द्र बजाज, रमेश कामरा, आ.पी. छाबडा, सदार गुरिन्दर साहबी, नविंदर कथूरिया, सतपाल नासा, तिलक चानना, रणधीर टन्डन, पंडित भीम दत्त, गिलोक गोसाई, द्वारका नाथ मक्कड़, पंडित चुनी लाल शर्मा, रमेश चुटानी, श्याम ग्रोवर, सुरेन्द्र थरेजा, भीम, किशोरी लाल डुड्जा, राजपाल नासा, सुभाष अधस्त्वा, मियाँबाली बिरादरी के मंत्री और जय दयाल कुमार, अनिल कुमार, रमेश कुमार उपस्थित रहे।

# ओपन सर्च

**बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मजबूत हुई**

- 1,86,140 के अंकों पर पहुंची बोधारत्ज सीकमी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

■ श्रेय का पहले और आत्म  
रात्दिनों में उन हँगाएँ का राज चिपका  
हैं : वोट राज सीकरी ने दिए  
उत्तमन उदाहरण



प्रथम सहायता के प्रथम और अंतिम स्तर की जागरूकता भी की विषय हो गई के लक्ष्य रखिए हैं। किसे सुनकर लोगों का मान पढ़ना चाहिए हो गए। अपने बच्चों को बोलाया तब सहायता के गणक गणित की सेवा भवित नहीं भाव-भाव

इस उद्योग का लाभ विदेशी कंपनी का बहुत-बहुत प्रभास्ति की।

पुर्ण हुए। इसके अनियंत्रित सूचारे लोक, भू-  
स्थानीयों में व्यवहार समेत सार्वों के व्यवहार उपर

新編 日本文庫 附錄 附錄

नियोजितकों में बालन श्रमकों मुख्य संकरा देखती है और हर यात्रावार की तरह जापानियां चाहती हैं कि भारत के नियाम में 10 घण्टों

ने दम-दस बाट पाठ किया। सीरों स्थानों का कुल पैक 55-40 हज़ार। प्रशिक्षण के लागत अधीन 30 स्थानों में 186-140 पाठ हो चुके हैं। इनपुतल व्याख्यानों के पाठ उपराजनीय शीरों की कम्पनी ने सच्च भासा में पढ़ाई की जा रही।

प्रमाद वित्तन निवास गता।

अपने दूसरी बारा का विवाह आये।

बाल यग्नलक्ष्मी ३० वर्ष की दौषिणा वार्ष ३ वर्ष  
आर्द्धोर्जन यात्रा, उपर्युक्त याकृं गृहप्राप्तम् में  
भाषणोर्जन दोषां उर्ध्वं श्री भास्तवहं सौर्यः

जाती नार को लंगेहिंडा "देवता जी" प्राप्ति करना, जिकारा करने परिणामस्वरूप देवता में समाप्त हो गया था, मैं इसकी दोहरी जिक्रों दो बातों में अधिक ज़्यादा को उन्हें को आज्ञा है।

गणभास्त्र लक्षितरों में बैंडर के राजेश नाना, चिकोट, मनदय सतीजा, सुभाष प्रोवर, दीपिय लक्ष्मी (प्रधान, आम उच्चाल्प ए).

लाला अहुजा, वर्तीय समाजम् धर्म धर्मो के  
प्रति प्रति देश समाज धर्म नाम गंगा

प्राचीन रूप से विद्या का अध्ययन करते हुए विद्यालयों में शिक्षकों की जगत् विद्यालयों में शिक्षकों की जगत्

विवरण वया, पत्रकार श्रम के अंडो, विनेन्द्र बचाव, स्पैश कामना, ओ.पी. लाला भालार गोदावरी लाली गोदा

रिये, मानवान् वास, विश्वाक चाराव,  
जै टट्टव, पूर्णि धौम दृष्ट, विलेक-  
ही, द्वारा उपर अस्त्रक, वृत्त चूनी  
देखा, एको चुनावी, इकाम और, सुरु-  
प, पूर्णि विलेकी तात लालू, यावलन  
पूर्णि अप्रत्यक्ष, विलेकी विलेकी  
जै ओं जै रंग दलान कुम्ह, अप्पेल  
एवं, योग्य विलेकी है। विलेकी  
जै ओं जै बाल विलेकी भी विलेकी  
जै ओं जै बाल विलेकी, योग्य विलेकी  
जै ओं जै बाल विलेकी, योग्य विलेकी  
जै ओं जै बाल विलेकी, योग्य विलेकी

**3** कवाच हरियाणा  
टीको लेखन के जल नदी और  
किंग रु : नावर लला



मैं 11

**6** शिवाय कालिन  
कर्मसूत्र में 20 दो बेटा हों  
कर्मसूत्र भविता

राष्ट्रीय दैनिक

**8** हरियाणा  
हरियाणा पुलिस ने दिया राजस्वल  
के प्रतिक्रिया को बताया

संवादालय : अमर कर्मसूत्री ज्ञ. और विज्ञानादाता भी आविष्का  
न विषय का विवाह विवाह का एक रूप है, जो एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति का विवाह करना।

**10** पर्टीटन  
एवं गुप्तज्ञ दो बते हैं  
विवाही, जीवित इसके बारे में

**12** हरियाणा  
हरियाणा के जल-सम्पद को  
संवर्धित करना : नावर लला



लं : 44 लॉ : 142

जीवन

मुख्य, 25 मई, 2023

पृष्ठ १ | मृत्यु ₹२

# जगत क्रान्ति

E-paper : <http://jagatkranti.co.in>

E-mail: [jagatkrantijind@gmail.com](mailto:jagatkrantijind@gmail.com)

जिल्हा (हरियाणा) की प्रकाशित

## युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने में अहम भूमिका में हनुमान चालीसा मुहिम

■ 1.86 लाख के पार पहुंच बोधराज सीकरी की गुहिम

जगत क्रान्ति ► एमके अरोड़ा

**गुरुग्राम :** न्यू कालोनी के दशहरा ग्राउण्ड स्थित श्रीगणेश मंदिर के प्रांगण में हरियाणा राज्य सीएसआर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष व पंजाबी विरादरी महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा मुहिम के तहत संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया।

श्रद्धालुओं की संख्या इतनी अधिक थी कि मंदिर परिसर छोटा पड़ गया। कार्यक्रम में युवा, बच्चे, महिला, पुरुष सभी वर्ग के



श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद गजेंद्र गोसाई ने बताया कि बोधराज सीकरी की मुहिम के बारे में जानकारी देते

हुए बताया कि 1 लाख 80 हजार 600 पाठ 3 माह की 27 बैठक में अभी तक हो चुके हैं। आगामी माह के लिए आयोजन भी निर्धारित हो गए हैं।

बोध राज सीकरी ने जहां हनुमान चालीसा की चौपाई काँधे मूँज जनेक साजे की विस्तृत जानकारी दी, वहाँ उहोंने बताया कि मूँज यानी वाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान क्यों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारण का यज्ञोपवीत डालते हैं। इसके अतिरिक्त उहोंने तुलसी जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब

के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य छिपे हैं। उहोंने गजेंद्र गोसाई के सहयोग की सहायता की। मंगलवार को 5100 हनुमान चालीसा के पाठ संपन्न हुए। इसके अलावा सुशांत लोक सी ब्लॉक में प्रातः 20 लोगों ने 7 बार पाठ किया जिसका संचालन सुरेश सीकरी द्वारा किया गया। ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित शिव मंदिर में 30 लोगों ने 10-10 बार पाठ किया। तीनों स्थानों का कुल 5540 पाठ हुए। जिन्हें मिलाकर अब तक 30 स्थानों में 1 लाख 86 हजार 140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने पगड़ी बांधकर बोधराज सीकरी व अन्य सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

सबसे तेज... सबसे आगे

Postal No. : P/BWN/47/2023-2025  
E-mail : haryanakiaawaz@gmail.com  
www.haryanakiaawaz.in

# हरियाणा की आवाज़

भिवानी, चंडीगढ़, हिंदूर से एक साध प्रकाशित

राष्ट्रवादी हिन्दी दैनिक

8:12 AM ✓



## ग्रंथों के पहले व अंतिम शब्दों में होता है उन ग्रंथों का राज़ : बोधराज़ सीकरी

गुरुग्राम। श्री गणेश मंदिर दशहरा ग्राउंड न्यू कॉलोनी की ओर से हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन किया गया। इस दौरान 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने भक्तिरस का आनंद लिया। यूवा और नहें बच्चे भी इसमें शामिल रहे। गजेंद्र गोसाई ने गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज़ सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया। उन्होंने बताया कि 1,80,600 पाठ तीन माह में 27 कार्यक्रमों में अभी तक हो चुके हैं। आने वाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में हो चुकी है। समापन अवसर पर बोधराज़ सीकरी ने तुलसीदास जी द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि ग्रंथों के पहले और अंतिम

शब्द में ग्रंथों का राज़ छिपा होता है। लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए। इसके अतिरिक्त सुशांत लोक, सी-ब्लॉक में सुबह 20 लोगों ने सात बार पाठ किया। जिसका संचालन सुरेश सीकरी ने किया। जामपुर शिव मंदिर, ईस्ट आफ कैलाश में 30 लोगों ने दस-दस बार पाठ किया। मुहिम के तहत अभी तक 30 स्थानों में 186140 पाठ हो चुके हैं। मंदिर की कमेटी ने खूब भाव से पण्डि बांधकर बोधराज़ सीकरी का स्वागत किया। इस अवसर पर मंदिर के गजेश चानना, विनोद, मदन सतीजा, सुभाष ग्रोवर, दलीप लूथरा (प्रधान आरडबल्यूए), सतीश आहूजा, केंद्रीय सनातन धर्म सभा के प्रधान एस.के खुद्दर, राम लाल ग्रोवर, अश्वनी वर्मा, धर्मेंद्र बजाज, रमेश कामरा व अन्य उपस्थित थे।

# ज्योति दर्पण

हिन्दी दैनिक

Website : [www.jyotidarpan.com](http://www.jyotidarpan.com)

## ग्रन्थों के पहले और अंतिम शब्दों में उन ग्रन्थों का राज छिपा है - बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण

### ज्योति दर्पण संवाददाता

गुरुग्राम। कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का समीक्षय तरीके से आयोजन भी गणेश मंदिर, दलाला गाड़ी, न्यू कॉलीनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यहाँ पर्व भव्य मंदिर का प्रांगण छोटा है, परन्तु ग्रहण और भक्तजनों ने जैर-कैसे अपने में बैठकर भक्तिरत्न का आनंद लिया। वार्ष सी से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुख्य कैसे ज्ञान रूप ले गयी है कालीक युग और नवीन वर्षों भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय ज्ञान 6 बड़े से जौह 9 बड़े का था जब मातृस्त-बनने प्रायः धर के काम में व्यस्त होते हैं, परन्तु उसके बावजूद पुरुषों के मुकाले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुराणी ने समय पर पूजा अर्चना कर गंडे गोतारों को लगाया गयी एवं लोभायन किया और गोल्ड गोसर्ह ने बड़े प्रेम से गोणा बोल कर गाथों के मायाम से पाले बोधज लोकों की मुहिम का संशेष में बनाने किया और बताया कि 1,80,600 पाठ तीन बाल की 27 बैठक में अपी तक हो चुके हैं अनेक बाली महिलों की खुलासा विविज स्थानों में हो चुकी है। तरीकों लगभग ये दूरे के अंतराल में पाठ का समान ऐसे सम्पूर्ण से किया जिसका दिल जीत निका = -मेरी लागी गाम से प्रीति ये दुर्लिया कम्य जाने।

समापन में बोध राज सीकरी को ज्ञान एवं और हनुमान चालीसा की उम चौहाई की कियेवना को जिसमें लिखा है - कौर्ष भैंज जनक साजे + और बताया कि मैं ज्ञानी बाज का योग्यतावान प्रभु हनुमान क्यों धरण करते थे जबकि प्रायः लोग धारे का



ज्योति दर्पण छानते हैं: इसके अतिरिक्त उद्दीपन तुलसी जी द्वारा विविध राम चरित मानस, श्री गंडा जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु गंधी सालिव के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी कियाये गए। इसके अतिरिक्त स्थानीय लोक, सी

गोपनीय गोसर्ह की सेवा भवित की भूमि-भूमि प्रशंसा की।

इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 कुल योग 5540 हुआ। मूलिन के तहत अपी लकड़ी चुनी लाल शर्मा, रमेश चूटानी, रमम घोर, मुरुद देवजा, योगेश नाया, मुशाय अमनदेव, मिमोकाली विद्यदीरी के भजे और जा दलाल कुमार, अनिल कुमार, संजय कुमार उपस्थित रहे।

महिला भजती की ओर से श्वाम मंदिर की महिला संयोगिका पुष्प नाया, ज्योतिना बजाज, रघुन बजाज, ज्योति यामी, शशि बजाज, पूष्प गोसाई और कृष्ण कथरिया ने अपनी हाँविटी भरी।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने

देखती है और हर मंगलवार की तरह जाम्पु

लिव मरिद, दंस्ट और कैलास में 30 लोगों

ने दस-दस बार पाठ किया। नीनों स्थानों का

कुल योग 186140 पाठ हो चुके

हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उपर्योग मंदिर

की कमटी ने लख भव्य से पालूँ साधकर

बोधराज सीकरी का स्वागत किया और अन्य

## बोधराज सीकरी की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम और मज़बूत हुई .....



1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची बोधराज सीकरी की हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम

प्रयोगों के पहले और अंतिम शब्दों में उन प्रयोगों का राज छिपा है - बोध राज सीकरी ने दिए ज्वलन्त उदाहरण।

सरिट के पुनर्जी से गमय पर पुला अर्पण कर गंगेश गोसाई को व्यास नामी पर दीक्षारम्भ किया औट गंगेश गोसाई ने वही वेश से जगेश रंगन कर गायकी के सामाजिक से पहुंचे बोधराज सीकरी की शुद्धिम का साथेप में वर्णन किया औट बताया कि 180,000 पाठ तीन लाख की 27 वेंक में ज्ञानी तक ही उके हैं जले वाले ज्ञानी की चुक्के लिखिल त्याजी में ही चुकी हैं तरीपतर लगभग दो घंटे के अंतरामें पाठ का सामापन होते सम्पूर्ण से विद्या लिखने सावधान जीत लिया। "जीती लाली दान से गीत ये दुलिया कवा जाते।"

लगायत में शोध दान शीकरी के लग्जी पाठ औट हनुमान चालीसा की उम्मीदों की विवरिति की जिसमें लिया है - कावि शून्य ज्ञानक साने - औट बताया कि शून्य शारीर वाण का यात्यापाति प्रभु हनुमान वर्षी पाठण काटते हे जलकि पापः लोग वाणे का यात्यापाति द्वालते हैं। इसके अद्वितीय उद्दीपने तुम्हारी जो हृषा लिखित राम चरित आजम, भी जीता जी, भी हनुमान चालीसा और मुकु चंद लालिय के प्रवल औट अद्वित लाल की वालाडा जी की जिसमें पूरे वाल के दृष्टु लिये हैं। जिसे सुनाकर लोगों का मन गढ़गढ़ हो जाता।



उपरोक्त लालीधन में बीघदान सीकरी के गंगेश गोसाई की देवा असि की शृंगी-शृंगी प्रसादकी द्वारा प्रकाश कल लाल लगायत 300 हनुमान चालीसा के पाठ भी वर्णिये बनिट में पूर्ण हुए। इसके अद्वितीय उद्दीपने की शून्य लोगों के हात वाट पाठ किया निरक्षकों संगान्ध शीकरी शून्य शीकरी देखती है औट हृष मगलवार की रात जानकुरु शिव लालीट ट्रॉट औष फैनोवा में 30 लोगों ने ददा-ददा वाट पाठ किया। तीनों लालों का तुल दोग छक्का हुआ। मुद्दिल के रहत ज्ञानी तक 30 लालों में स्वामीं पाठ ही उके हैं।

हनुमान चालीसा के पाठ उद्घाट शरिट की कर्मी ने बूढ़ा आव ते पगड़ी चापकट बीघदान शीकरी का ल्यागत किया औट अल्प गणजायव ल्यासियों को पठका पहुंचाकर अजिंजित किया। बड़े भाव से लोगों को प्रसाद विठ्ठल किया गया।

अगला हनुमान चालीसा का पाठ जले वाले मगलवार 30 शृंगीपूर्ण वाद 3 बजे अद्वितीय गार्डें, ज्योति पार्क गुरुग्राम में आयोजित होगा, जहाँ भी वालानी संटोष शिकरी नमाट की स्थानिका "देवता जी" की प्रार्थना होगी, जिनका लालीट पिछले सप्ताह गोलीक में गमाविष्ट हो गया था, में आयोजित होगा जिसमें दो हजार से अधिक लोगों के आने की आशा है।



## Bodhraj Sikri - 1,86,140 के आंकड़े पर पहुंची हनुमान चालीसा पाठ की मुहिम



**Viral Sach :** Bodhraj Sikri - कल मंगलवार 23 मई हनुमान चालीसा के पाठ का संगीतमय तरीके से आयोजन श्री गणेश मंदिर, दशहरा ग्राउंड, न्यू कॉलोनी गुरुग्राम की ओर से किया गया। यद्यपि भव्य मंदिर का प्रागण छाटा है, परंतु श्रद्धालु और भक्तजनों ने जैसे कैसे आपस में बैठकर भक्तिरस का आनंद लिया।

दृढ़ी रौ से अधिक लोगों की उपस्थिति बताती है कि ये मुहिम कैसे नया रूप ले रही है व्यापक युवा और नवें छव्वे भी इसमें सम्मिलित थे। यद्यपि समय शाम 6 बजे से तारीफ 9 बजे का था जब माताएँ-बहनें प्रायः घर के काम में व्यस्त होती हैं, परंतु उसके बावजूद पुरुषों के मुझबाले में बहनों की उपस्थिति अधिक रही।

मंदिर के पुजारी ने समय पर पूजा अर्चना कर गंडें गोसाई को व्यास गढ़ी पर शोभायमान किया। गंडें गोसाई ने बड़े प्रेम से गणेश वंदन कर गायकी के माध्यम से पहले बोधराज सीकरी की मुहिम का संक्षेप में वर्णन किया।

बताया कि 1.80.600 पाठ तीन मास की 27 बैठक में अपनी तक ही चुके हैं अनेकाले महीनों की बुकिंग विभिन्न स्थानों में ही चुकी है। त्योहारात लगाना दो घंटे के अंतराल में पाठ का समापन ऐसे समृद्ध से किया जिसने सबका दिल जीत लिया : “मेरी लगी राम से प्रीत ये दुनिया क्या जाने।



समापन में बोध राज सीकरी ने जहाँ एक और हनुमान चालीसा की उस चौपाई की विवेचना यही जिसमें लिखा है : कौथि झूँज जतेऽ साजे । और बताया कि झूँज यानी बाण का यज्ञोपवीत प्रभु हनुमान वर्णों धारण करते थे जबकि प्रायः लोग धारों का यज्ञोपवीत डालते हैं।

इसके अतिरिक्त उन्होंने तुलसी की द्वारा लिखित राम चरित मानस, श्री गीता जी, श्री हनुमान चालीसा और गुरु ग्रंथ साहिब के प्रथम और अंतिम शब्द की व्याख्या भी की जिसमें पूरे ग्रंथ के रहस्य लिये हैं। जिसे सुनकर लोगों का मन गदगद हो गया।

अपने सम्बोधन में बोधराज सीकरी ने गंडें गोसाई की सेवा भक्ति की भूती-भूती प्रशंसा की। इस प्रकार कल शाम लगभग 5100 हनुमान चालीसा के पाठ श्री गणेश मंदिर में पूर्ण हुए।